26

परिवार के लिए वस्त्र तथा लिनन

26.1 भूमिका

जब आप कपड़ा खरीदने के लिए बाजार जाते हैं तो स्वाभाविक रूप से दुकानदार से उसकी कीमत, मजबूती, सिकुड़ाव, रंगों के पक्कापन और आरामदेह आदि के बारे में पूछते हैं। ऐसा क्यों करते हैं? इसलिए कि शायद यही कुछ बातें हैं, जो हमारे कपड़े के चुनाव को प्रभावित करती हैं। इसी प्रकार कपड़ा खरीदते समय हम और भी बहुत सारी बातों का ध्यान रखते हैं। उदाहरण के लिए रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए कभी भी आप साटिन का कपड़ा नहीं खरीदना चाहेंगे या किसी शादी के समारोह में पहनने के लिए डेनिम नहीं खरीदना चाहेंगे।

इस पाठ में हम कपड़ों के चुनाव में ध्यान रखने वाले इसी तरह के कुछ आवश्यक तथ्यों के बारे में अध्ययन करेंगे।

26.2 उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आपः

- कपड़ों के चुनाव में रेशों के गुण–धर्म के प्रभाव की व्याख्या कर सकेंगे,
- कपड़ों की निर्माण प्रक्रिया और परिसज्जा के महत्व को रेखांकित कर सकेंगे;
- कपड़ों के चुनाव में आयु, मौसम, पेशा, अवसर, शारीरिक सौष्ठव, कीमत और फैशन आदि तथ्यों की व्याख्या कर सकेंगे;
- रेडीमेड, दर्जी के सिले और घर में सिले कपड़ों में से चुनाव पर लागू होने वाली शर्तो को बता सकेगे;
- साज–सिंगार के महत्व को समझा सकेंगे।

26.3 कपड़ों का चयन किस से प्रभावित होता है?

आप घर में आरामदेह कपड़े पहनना क्यों पसंद करते हैं? जब एक छोटा लड़का खेलने के लिए बाहर जाता है तो डेनिम की बनी जीन पहनना क्यों पसंद करता है? सर्दियों में ऊनी कपड़े क्यों पहने जाते हैं? शायद आप कहेंगे कि मौकों के मुताबिक ही कपड़े पहने जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो कपड़ों का चुनाव बहुत सारे तथ्यों पर आधारित होता है। आइए देखते हैं वे तथ्य क्या हैं।

इन कारकों को हम दो अलग–अलग समूहों में बांट कर अध्ययन कर सकते हैं:

समूह–1 कपड़ों से संबंधित कारक

- रेशों की विशेषताएं
- कपड़ों की निर्माण प्रक्रिया
- परिसज्जा

समूह–2 अन्य कारक

- कीमत
- आयु
- मौसम
- पेशा
- अवसर
- फैशन
- शारीरिक सौष्ठव

26.4 कपड़े से संबंधित गुण-धर्म

1. रेशे की विशेषताएं

पिछले पाठ में आप रेशों की विशेषताएं के बारे में पढ़ चुके हैं। क्या आपको याद है, वे क्या हैं? ये हैं–

- लंबाई और दिखावट
- अवशोषकता (नमी सोखने की क्षमता)
- ऊष्मा चालकता
- मजबूती
- ज्वलनशीलता

आइए देखते हैं कि ये विशेषताएं किस प्रकार से हमारे चुनाव को प्रभावित करती हैं।

(i) लंबाई और दिखावट

क्या आपको याद है, रेशे दो प्रकार के होते हैं–

- लघु आकार (स्टेपिल)
- दीर्घाकार (फिलामेंट)

आइए लंबाई और दिखावट के बीच के अंतर्संबंधों को एक बार फिर से दोहरा लेते हैं।

प्रकार	लंबाई	दिखावट	विशेषता	उदाहरण
स्टेपिल	छोटा	लहरदार	खुरदरा, अवशोषी, धूल खींचने वाला	सूती, ऊनी
फिलामेंट	लंबा	चिकना	चमकदार, कम अवशोषी, धूल को नहीं खींचता	रेशमी, पॉलीएस्टर, नायलॉन

अब आप समझ गए होंगे कि किस प्रकार से रेशे की लंबाई कपड़े के चुनाव को प्रभावित करती है। आजकल कुछ कपड़ों पर परिसज्जा करके भी उन्हें चिकना और देखने में चमकदार बनाया जाने लगा है। उदाहरण के लिए, जब सूती कपड़े पर कलफ लगाया जाता है तो वह देखने में चिकना लगने लगता है, लेकिन फिर भी उसमें रेशमी कपड़े जैसी चमक और चिकनाहट नहीं होती।

(B) अवशोषकता

आप रेशे की इस विशेषता से परिचित हैं। इसी गुण के कारण कोई भी कपड़ा आर्द्रता अवशोषी अथवा अनवशोषी बनता है। क्या आपको याद है कौन सा कपड़ा सबसे अधिक नमी सोखता है? जी, सूती कपड़े आसानी से पानी अथवा आर्द्रता सोखते हैं, जबकि सिंथेटिक कपड़े कम सोखते हैं। रबड़ नमी को बिल्कुल नहीं सोख सकता। इसलिए जब मौसम में गर्मी और अधिक नमी होती है तो हम सूती कपड़े पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि ये हमारे पसीने को सोख कर शरीर को ठंडा रखते हैं। जबकि सिंथेटिक कपड़े पसीना नहीं सोख पाते, इसलिए इन्हें गर्मियों में पहनना असहज सा लगता है। इसी तरह अधो वस्त्रों ("अंडर गार्मेंट्स")का चुनाव करते समय भी इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखना चाहिए। क्योंकि इन अंगों को ज्यादा आराम की जरूरत होती है।

क्रियाकलाप

नमी सोखने और कपड़े के चुनाव के बीच के संबंधों को समझने के लिए नीचे दिए गए बॉक्स को पूरा कीजिएः

वस्त्र	*किस रेशे से बनते हैं*
1. (नैपी) शिशु की लंगोट	
2. स्पोर्ट्स वीयर (खेल के कपड़े)	
3. रेन कोट	
4. छाता	

(C) ऊष्मा चालकता इस विशेषताधर्म वाले रेशे शरीर की ऊष्मा को बाहर निकालने में सक्षम होते हैं। आपको ध्यान होगा सूती और रेयॉन ऊष्मा के अच्छे चालक होते हैं, जिससे वे शरीर को ठंडा रखने में सहायक होते हैं। रेशमी और सिंथेटिक कपड़े ऊष्मा के अच्छे चालक नहीं होते। ऊन तो बहुत ही बुरा चालक होता है, यही कारण है कि यह शरीर को गर्म रखता है।

इस प्रकार जब भी आपको गर्मी अथवा सर्दी के कपड़ों का चुनाव करना हो तो रेशों को इस विशेषता को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। संभव है आप ऐसा पहले से ही करते हों कि सर्दी के लिए ऊनी और गर्मी के लिए सूती कपड़े का चुनाव करते हों।

क्रियाकलाप

यदि नीचे दिए गए वस्त्रों का चुनाव करना हो तो आप किस प्रकार के रेशों का चुनाव करेंगे? उनके सामने लिखिए

वस्त्र	रेशा
1. कंबल	
2. खेल के वस्त्र	
3. शॉल	
4. मोजे	

(D) मजबूती

कपड़े को भिगो कर धोने में सुगमता गीली अवस्था में उसके रेशों की मजबूती पर निर्भर करता है। आप जानते हैं कि कुछ कपड़े भिगोने के बाद कमजोर पड़ जाते हैं। क्या आप बता सकते हैं कि ये कौन से कपड़े होते हैं? जी, ऊन, रेशम, रेयान आदि। सूती और सिंथेटिक कपड़े काफी मजबूत होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से धोकर साफ किया जा सकता है। इस प्रकार चूंकि रोज पहने जाने वाले कपड़ों को जल्दी–जल्दी धोने की जरूरत पड़ती है, इसलिए ये सूती या सिंथेटिक ही अच्छे होते हैं। रेशमी कपड़ों को प्रायः विशेष अवसरों पर ही पहना जाता है, इसलिए इन्हें जल्दी–जल्दी धोने की जरूरत नहीं पड़ती। मजबूत होने के कारण नायलॉन का इस्तेमाल प्रायः औद्योगिक उद्देश्य से अथवा पैराशूट आदि बनाने में किया जाता है।

क्रियाकलाप

निम्नलिखित सामान के लिए उपयुक्त रेशे सुझाइए:

सामान	रेशा
1. बेडशीट 2. हल्का दुपट्टा 3. रोज धोने–पहनने वाली साड़ी 4. मर्दाना धोती	

(E) ज्वलनशीलता

पाठ–6 में ज्वलनशीलता परीक्षण के बारे में अध्ययन करते हुए आप इस बात से परिचित हो चुके हैं कि सूती कपड़े में आग तो जल्दी पकड़ती है, वह लेकिन धीरे–धीरे जलता है, जबकि रेयान तेजी से जलता है। नायलॉन और सिंथेटिक कपड़े पिघल कर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे कि भारी नुकसान हो सकता है। ऊन जल्दी आग नहीं पकड़ता, लेकिन इसे आग से दूर रखना आवश्यक है। इस प्रकार ज्वलनशीलता और कपड़े के चुनाव के अंतर्संबंधों को ध्यान में रखना बहुत आवश्यक है।

कभी भी जलते चूल्हे से किसी बर्तन को अपने नायलान, रेयान या सिंथेटिक दुपट्टे अथवा साड़ी से पकड़कर नहीं उतारना चाहिए।

एक उपयोगी बात : चूल्हे से बर्तन उतारने के लिए ऊनी कपड़ा इस्तेमाल में लाएं। इसमें आग जल्दी नहीं पकड़ती और जल्दी जलता भी नहीं है।

(F) मिश्रण

आप पिछले अध्याय में मिश्रण के बारे में पढ़ चुके हैं। दो या दो से अधिक रेशों के मिश्रण से मिश्रित कपड़े तैयार किए जाते हैं। इस प्रकार ऐसे कपड़ों में मिश्रण में प्रयुक्त सभी रेशों के गुण–धर्म पाए जाते हैं। इस तरह के कपड़े बहुत उपयोगी होते हैं।

यदि आपको हल्का और गर्म मर्दाना सूट चाहिए होगा तो आप क्या करेंगे? टेरीवुल कपड़ा लेना पसंद करेंगे। आपने देखा होगा टेरीवुल या पॉलीकोट से बने कपड़ों में पुलिसकर्मी और विद्यार्थी सहज और आराम महसूस करते हैं।

पाठगत प्रश्न 26.1

1. उचित विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

   i. स्टेपिल रेशे से बने कपड़े देखने में होते हैं।

      a) खुरदरे

b) चिकने

c) जगमगाते

d) चमकीले

ii. तंतुमय रेशे से बने कपड़े देखने मेंहोते हैं।

a) गंदे

b) चिकने

c) खुरदरे

d) भदेस

iii. इनमें से कौन सा कपड़ा जल्दी गंदा नहीं होता

a) सूती

b) आरगेंडी

c) डेनिम

d) रेशमी

iv. शिशु के वस्त्र बनाने के लिए सबसे उपयुक्त कपड़ा होता है

a) रेशमी

b) सूती

c) नायलॉन

d) डेनिम

v. कौन सा कपड़ा ऊष्मा का सबसे बुरा चालक माना जाता है

a) ऊनी

b) रेशमी

c) सूती

d) डेनिम

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

i. ..... कपड़े को धोते समय कस कर रगड़ सकते हैं। (सूती/रेयान)

ii. ..... कपड़े का इस्तेमाल औद्योगिक कार्यों में किया जाता है।(सूती/नायलॉन)

iii. ..... सर्दियों में आपको गर्म रखता है। (ऊन/पॉलीएस्टर)

iv. ..... कपड़े गर्मियों में पहनने में आरामदेह नहीं होते हैं। (सिंथेटिक/सूती)

iv. ..... कंबल ज्वलनशील नहीं होते इसलिए इनका उपयोग आग बुझाने के लिए किया जा सकता है। (ऊनी/पॉलीएस्टर)

2. कपड़ों की निर्माण प्रक्रिया

जैसाकि आप जानते हैं कपड़े दो प्रकार से बने होते हैं, एक बुने हुए जैसे डेनिम और ड्रेस मटीरियल तथा दूसरे निटिड जैसे मोजे, अंडर गार्मेंट, स्वेटर, आदि। आप इन दोनों निर्माण प्रक्रियाओं के बारे में पिछले अध्याय में पढ़ चुके हैं, लेकिन आइए यहां एक बार फिर से दोहरा लेते हैं।

बुने हुए (वोवन) कपड़े

1. ये दो धागों के सेट से बने होते हैं, जिन्हें ताना और बाना कहते हैं।
2. ये कपड़े स्थायी स्थिति में होते हैं, इनमें खिंचाव नहीं होता है।
3. देखने में चिकने होते हैं।
4. ये प्रायः अवशोषी होते हैं।
5. ये पहनने में गरम नहीं होते।
6. इसके उदाहरण हैं– सादा बुनाई, ट्विल बुनाई और साटिन बुनाई।

निटिड कपड़े

1. ये एक ही धागे के इंटरलूपिंग से तैयार किए जाते हैं।
2. ये स्थिर नहीं रहते, बल्कि इनमें पर्याप्त खिंचाव मिलता है।
3. ये देखने में बहुत चिकने नहीं होते।
4. ये प्रायः अनवशोषी होते हैं।
5. ये प्रायः गरम होते हैं और सर्दियों में पहनने लायक होते हैं।
6. ये दो प्रकार के होते हैं–मशीन से बुने और हाथ से बुने।

संभवतः अब तो आप समझ ही गए होंगे कि कपड़ों का चुनाव करते समय उनकी निर्माण प्रक्रिया को ध्यान में रखना बहुत जरूरी होता है। यदि आप अंडर गार्मेंट के लिए कपड़े का

चुनाव करना चाहते हैं तो उसके लिए निटिड कपड़ा उपयुक्त रहेगा। लेकिन यदि आप अपने लिए ड्रेस बनवाना चाहते हैं तो उसके लिए बुना हुआ कपड़ा उपयुक्त रहेगा। यदि आप चमकीला कपड़ा चाहते हैं तो उसके लिए साटिन बुनाई वाला कपड़ा उपयुक्त रहेगा, जैसे साटिन सिल्क। और यदि मजबूत, स्थायी प्रकृति का कपड़ा चाहिए तो जीन लेना चाहिए, जो ट्विल बुनाई से तैयार किया जाता है।

क्रियाकलाप

निम्नलिखित उत्पादों के लिए उपयुक्त बनावट सुझाइएः

वस्त्र	बनावट (बुने हुए/निटिड)
1. मोजे 2. जींस 3. बेडशीट 4. स्वेटर	

3. परिसज्जा

आप विविध प्रकार की परिसज्जाओं से परिचित हैं, जैसे मर्सरीकरण, सिकुड़न नियंत्रण, वाटर प्रूफिंग (जल रोधण), आदि। इन परिसज्जाओं से कपड़े की विशेषताओं और सुंदरता में व द्धि हो जाती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या परिसज्जा का आपके चुनाव पर कोई प्रभाव पड़ता है? हां, बिल्कुल पड़ता है।

मान लीजिए आप बाजार से सलवार–सूट के लिए कपड़ा खरीदने जाते हैं। आपको पता है कि इसके लिए 4 मीटर कपड़ा लगता है, लेकिन आप थोड़ा अधिक खरीदते हैं। इसलिए कि आप जानते हैं कि धोने के बाद कपड़ा सिकुड़ेगा। इसलिए आप दुकानदार से स्वाभाविक रूप से सिकुड़न नियंत्रण परिसज्जा वाले कपड़ें माँगेगे।

इसी प्रकार, यदि आपको अपने छाते का कपड़ा बदलने के लिए कपड़ा चाहिए, तो क्या आप कोई भी कपड़ा खरीद लेंगे? नहीं आप वाटर प्रूफ कपड़े के बारे में पूछेंगे। परिसज्जा आमतौर पर कपड़े की सुंदरता निखारने के लिए की जाती है। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि कपड़े की क्वालिटी अच्छी नहीं है, लेकिन देखने में अच्छा है। तो ऐसे में कपड़े की अच्छी क्वालिटी की पहचान कैसे करेंगे? कपड़े का कोना पकड़िए और इसे हाथों से रगड़िए। अगर कपड़े में से सफेद रंग का पाउडर झड़ता है और कपड़ा झिरझिरा हो जाता है तो समझ लीजिए कपड़े की क्वालिटी अच्छी नहीं है और उस कपड़े को न खरीदिए। इसलिए कपड़ा खरीदते समय यह बात ध्यान में रखें कि सिर्फ देखने में सुंदर और चमकदार होना कपड़े की अच्छी क्वालिटी का परिचायक नहीं होता। ध्यान से देखें और यह अवश्य जान लें कि उस पर कौन सी परिसज्जा प्रयोग की गई है।

पाठगत प्रश्न 26.2

1. नीचे दिए गए वाक्यों में से बुने हुए कपड़े के सामने 'बु' और निटिड के सामने 'नि' लिखिए :

   i. इंटर लूपिंग धागे से बना

   ii. देखने में चिकना

   iii. देखने में खुरदुरा

   iv. अधिक अवशोक

   v. सामान्य तौर पर फैलने वाला

   vi. सर्दी में पहना जा सकने वाला

   vii. अंडर गार्मेंट बनाने में प्रयुक्त होने वाला

   viii. स्कूल यूनिफॉर्म बनाने के लिए उपयोग में लाया जाने वाला

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः

   i. ..... के प्रयोग से कपड़े की सुंदरता को निखारा जा सकता है।

   ii. पानी रोकने की क्षमता विकसित करने की परिसज्जा को कहते ..... हैं।

   iii. हर कपड़ा ..... पर नहीं सिकुड़ता क्योंकि उस परेंपरिसज्जा की होती है।

   iv. ..... परिसज्जा से कपड़ा देखने में चिकना लगने लगता है।

   v. कई बार ..... क्वालिटी के कपड़े के कारण देखने में बेहतर लग सकते हैं।

जैसाकि ऊपर हम बात कर चुके हैं, कपड़ों की इन आधारभूत विशेषताओं के अलावा कुछ ऐसे भी कारक होते हैं, जो उपयोग करने वाले व्यक्ति के चुनाव को प्रभावित करते हैं। आइए देखें कि वे क्या हैं?

26.5 अन्य कारक

(A) कीमत

कीमत हमेशा कपड़े की क्वालिटी के मुताबिक ही होनी चाहिए। विशेष अवसरों पर पहने जाने

वाले कपड़े प्रायः घर में पहने जाने वाले कपड़ों की अपेक्षा मंहगे होते हैं। बढ़ते बच्चों के लिए अधिक मंहगे कपड़े नहीं खरीदे जाने चाहिए। इसी प्रकार फैशनेबल कपड़ों पर अधिक पैसे खर्च नहीं किए जाने चाहिए। किसी कपड़े के रख-रखाव पर आने वाले खर्च को भी ध्यान में रखना चाहिए जैसे रेशमी और शिफॉन को ड्राईक्लीन की जरूरत पड़ती है, सूती साड़ियों में स्टार्च लगाने की जरूरत पड़ती है। इन सब में पैसा खर्च होता है।

(B) आयु

आपने ध्यान दिया होगा कि आयु के अनुसार पहनावा भी बदलता रहता है। एक किशोर के कपड़े एक शिशु के कपड़ों से भिन्न होते हैं। एक दादी मां फैशनेबल कपड़ों की अपेक्षा हल्के रंग के और आरामदेह कपड़े पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। आइए देखते हैं कि किस तरह से बदलती उम्र के अनुसार पहनावा भी बदलता रहता है।

शिशुः शिशु की त्वचा नाजुक और मुलायम होती है, इसलिए उसके लिए ढीले, मुलायम, आरामदेह और अवशोषी कपड़े उपयुक्त होते हैं। वे ज्यादातर समय सोते रहते हैं इसलिए उनके कपड़ों में ज्यादा बटन, डोरी या एलास्टिक नहीं होने चाहिए। उनकी लंगोट (डायपर) अवशोषी सूती कपड़े से बने होने चाहिए, विशेषकर पुरानी धोती या साड़ी के, जो उपयोग के बाद मुलायम हो चुकी होती हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चेः इस उम्र के बच्चों का कद तेजी से बढ़ रहा में होता है। ये हमेशा दौड़ते–भागते, खेलते–कूदते और चंचल रहते हैं। इसलिए इनके पहनावे मजबूत और टिकाऊ कपड़ों के बने होने चाहिए। आपने ध्यान दिया होगा कि इस उम्र के बच्चों के ज्यादातर वस्त्र डेनिम की पैंट के साथ सिंथेटिक कपड़ों के बने होते हैं। इसलिए ऐसे बच्चों के कपड़े खरीदते समय हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि वे बहुत चुस्त न हों, जिससे उनके तेजी से बढ़ते कद के मुताबिक ज्यादा समय तक प्रयोग में लाए जा सकें। इसके अलावा कपड़े ऐसे भी होने चाहिए, जिन्हें धोने में भी आसानी हो, क्योंकि बच्चे इन्हें जल्दी–जल्दी गंदा करते रहते हैं। इस आयु वर्ग को विशेष तौर पर गाढ़े और चमकीले रंग के कपड़े पसन्द आते हैं।

किशोरः यह ऐसी उम्र होती है, जब बच्चे कॉलेज जाना शुरू कर देते हैं। किशोर फैशन को लेकर ज्यादा जागरूक होते हैं और वे नए–नए फैशन के कपड़े पहनना ज्यादा पसंद करते हैं। वे अपने कपड़ों में विविधता चाहते हैं। वे रोज–रोज एक ही कपड़े को पहनना पसंद नहीं करते। इसलिए इनके लिए कपड़े खरीदते समय 'मिक्स एंड मैच' वाले कपड़े खरीदने की सलाह दी जाती है। जैसे किशोर लड़की के लिए कुछ लाल, काले और सफेद रंग के सलवार और मेल खाती कुछ कमीजें खरीद कर रख लेनी चाहिए जिससे इनके अपने रंग की सलवार अपनी रंग की कमीज के साथ तो पहने ही जा सकती है, बदल–बदल कर दूसरे रंगों के साथ भी पहनी जा सकती है। इसी प्रकार किशोर लड़के के लिए कुछ अलग–अलग रंगों की जीन और टी–शर्ट खरीदना बेहतर होता है, जिससे कि वह उन्हें मिला–जुलाकर पहन सकता है और विविधता का अनुभव कर सकता है। इस उम्र के बच्चे हर रंग के कपड़े पहनना पसंद

करते हैं।

वयस्कः वयस्कों के कपड़ों का चुनाव उनके कार्यों के अनुसार बहुत विविधता भरा होता है। उदाहरण के लिए एक घर में रहने वाली ग हिणी के कपड़े एक टीवी उद्घोषिका के कपड़ों जैसे आकर्षक होने जरूरी नहीं हैं। एक कामकाजी महिला को ऐसे कपड़ों की जरूरत होती है, जिन्हें धोने में आसानी हो और प्रेस करने का झंझट भी कम हो, क्योंकि उसके पास समय की कमी होती है। इसके अलावा वह ऐसे कपड़े पहनना अधिक पसंद करती है, जिन पर जल्दी सिलवटें न पड़ें और पूरे दिन अच्छे दिखते रहें। क्या आप बता सकते हैं कि वे कौन से कपड़े होते हैं, जिन पर जल्दी सिलवटें नहीं पड़ती हैं?

पुरुष को देखने में ज्यादा बलवान और आत्मनिर्भर लगना चाहिए। इसके अलावा वे ज्यादा देर तक काम करते हैं, इसलिए उनके कपड़े ऐसे होने चाहिए, जिन पर क्रीज तो पड़े, मगर सिलवटें न पड़ें। धारीदार, चेक और सेल्फ पैटर्न वाले कपड़े पुरुषों के लिए उपयुक्त रहते हैं।

बुजुर्गः बुढ़ापे की अपनी कुछ समस्याएं होती हैं। शरीर कठोर हो जाता है, नजर कमजोर हो जाती है और जल्दी थकान हो जाती है। क्या आप एक बुजुर्ग व्यक्ति के लिए कुछ कपड़े सुझा सकते हैं? जी, उनके कपड़े हल्के रंगों वाले, फैशनेबुल कपड़ों की अपेक्षा ढीले–ढाले और आराम देह होने चाहिए। इसके अलावा ये कपड़े सामने से खुलने वाले होने चाहिए जिन्हें वे आसानी से पहन उतार सकें। इनके बटन और काज ऐसे होने चाहिए जिससे इन्हें खोलने और बंद करने में आसानी हो।

(c) मौसम

आप सभी इस बात से तो परिचित ही हैं कि सर्दियों में ऊनी और गर्मियों में सूती कपड़े पहनना उपयुक्त रहता है। और इसके पीछे के कारणों से भी आप भली भांति परिचित ही हैं। हम गर्मियों में हल्के रंग और सर्दियों में गाढ़े रंग के कपड़े पहनना अधिक पसंद करते हैं। बरसात में हम ऐसे कपड़े पहनना अधिक पसंद करते हैं, जो भीगने के बाद आसानी से सूख जाएं और उन पर सिलवटें भी न पड़ें। क्या आपको याद है, इस तरह के कपड़े कौन से हैं? जी, सिंथेटिक कपड़े। इस प्रकार हमें अपने वातावरण और मौसम के अनुकूल कपड़ों का चुनाव करना चाहिए। आप ठंडे और नमी वाले स्थानों पर क्या पहनना पसंद करेंगे? जी, ऊन। यह गर्म धागे का बना होता है।

(D) पेशा

पेशे का भी हमारे कपड़ों के चुनाव पर काफी गहरा असर पड़ता है। कुछ पेशे तो ऐसे होते हैं, जिनमें यूनीफार्म यानी वर्दी पहनना आवश्यक होता है, जैसे फौज, पुलिस, रेलवे आदि। ऐसे में ऐसे कपड़ों का चुनाव किया जाता है, जिन्हें पहन कर आसानी से काम किया जा सके और इनकी देखभाल करना भी आसान हो तथा इनसे हमारे काम में कोई बाधा न आने पाए। इसके अलावा ये ऐसे भी हों, जो हमारे शरीर की रक्षा भी कर सकें, जैसे फैक्टरियों में काम

करने वाले लोगों को मशीनों के खतरे से बचने के लिए पूरी तरह से ढका होना, सिर पर हेलमेट और हाथों में दस्ताने आदि पहनना जरूरी होता है। इसी प्रकार खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए सूर्य की गर्मी से बचने के लिए ढीलेढाले और पूरे शरीर के कपड़े पहनने पड़ते हैं। जो लोग ज्यादातर यात्रा पर रहते हैं उनके लिए ऐसे कपड़े जरूरी होते हैं जिन पर जल्दी सिलवटें न पड़ें। युवा माताओं के लिए ऐसे कपड़े आवश्यक होते हैं जिन्हें आसानी से धोया और सुखाया जा सके।

(E) अवसर

आपको रोज ही अवसर के मुताबिक कपड़ों का चुनाव देखने को मिलता होगा। शादियों के मौके पर लोग सुंदर और सजावटी कपड़े पहने दिखाई देते हैं। घर में साफ–सफाई करते समय एक ग हिणी अक्सर पुराने कपड़े पहनना ज्यादा पसंद करती है, क्योंकि उसे पता होता है कि ऐसे काम में कपड़ों के जल्दी गंदे होने की संभावना रहती है। खिलाड़ी खेलते समय ट्रैक सूट पहनते हैं। जब किसी की म त्यु पर शोक प्रकट करने जाते हैं तो लोग सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं।

आप के चारों ओर अलग-अलग शारीरिक बनावट के लोग हैं। कोई मोटा है तो कोई दुबला, कोई लंबा है तो कोई नाटा।इस प्रकार अलग–अलग की कद काठी के अनुरूप अलग–अलग तरह के कपड़ों की जरूरत पड़ती है। यहां नीचे एक छोटा सा चार्ट दिया जा रहा है, जिससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किस शारीरिक गठन के लिए किस प्रकार का कपड़ा चुनना ठीक रहता है और किस प्रकार के कपड़ों को छोड़ देना बेहतर रहता है।

	शारीरिक गठन	**न चुनें**	**चुनें**
1.	नाटा और मोटा	पड़ी धारियाँ, बड़ें प्रिंट, हल्के रंग	खड़ी धारियाँ, मध्य आकार के प्रिंट, गहरे रंग
2.	नाटा और पतला	पड़ी धारियाँ, बड़े प्रिंट, गहरे रंग	खड़ी धारियाँ, छोटे प्रिंट, हल्के रंग
3.	लम्बा और मोटा	खड़ी धारियाँ, बड़े प्रिंट, हल्के रंग	पड़ी धारियाँ, मध्यम आकार के प्रिंट गहरे रंग
4.	लम्बा और पतला	खड़ी धारियाँ, छोटे प्रिंट, गहरे रंग	पड़ी धारियाँ, बड़े प्रिंट, हल्के रंग

(F) फैशन

बदलते फैशन के अनुसार हमारे पहनावे भी बदलते रहते हैं। जैसे चौड़ी मोहरी वाली पैंटों की जगह फिर से कम चौड़ी मोहरी वाली पैंट फैशन में आ गईं और छोटी कमीज की जगह लंबी कमीज और फिर से लंबी की जगह छोटी कमीज चलने लगी। फैशन तो बदलता रहता है, लेकिन क्या आप फैशन से प्रभावित होते हैं? बिल्कुल, और यह बड़ा ही स्वाभाविक है। हर आदमी बदलते फैशन के मुताबिक कपड़े पहनना चाहता है।

इस प्रकार उपरोक्त सभी बातों को ध्यान में रखते हुए ही हमें अपने वस्त्रों का चुनाव करना चाहिए। सिर्फ फैशन में चल रहे पहनावे को ही ध्यान में रखकर वस्त्र नहीं चुनने चाहिए। वस्त्र का चुनाव करते समय उम्र, पेशा, शारीरिक गठन आदि बातों को भी ध्यान में रखना जरूरी होता है।

पाठगत प्रश्न 26.3

1. कॉलम A के साथ कॉलम B का मिलान कीजिएः

कॉलम A	**कॉलम** B
(a) शिशु के कपड़े	(i) पुरानी धोती
(b) चंचल बच्चे	(ii) डेनिम
(c) किशोर	(iii) अवशोषी, सूती
(d) बच्चों के लिए पैंट	(iv) मजबूत और टिकाऊ कपड़े
(e) बच्चों की लंगोट	(v) सामने से खुलने वाले वस्त्र
(f) टीवी उद्घोषिका	(vi) ऐसे कपड़े, जिन पर सिलवटें कम पड़ें
(g) दादी मां	(vi) मिक्स एंड मैच की विविधता वाले
(h) ग हिणी	(vii) चमकीले रंगीन कपड़े
	(viii) आकर्षक वस्त्र

2. नीचे दिए गए कथनों में से सही और गलत छांटिएः

i. शिशुओं को सिंथेटिक वस्त्र पहनाने चाहिए।

ii. आसानी से धोए और सुखाए जा सकने वाले कपड़े बरसात के लिए सही होते हैं।

iii. सर्दियों में हम हल्के रंग के कपड़े पहनना ज्यादा पसंद करते हैं।

iv. पहन कर काम करने वाले कपड़े आरामदायक होने चाहिए।

v. ट्रैक सूट सिर्फ खेलते समय पहनने चाहिए।

vi. लंबे और दुबले लोगों को पड़ी धारी के कपड़ों के चुनाव से बचना चाहिए।

vii.. छोटे और मोटे कद काठी के लोगों को सिर्फ ढीले कपड़े ही पहनने चाहिए।

viii. फैशन का हमारे पहनावे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

ix. बुजुर्ग सादे कपड़े पसंद करते हैं।

x. किशोर अपने पहनावे में विविधता पसंद करते हैं।

26.6 सिले सिलाए (रेडीमेड) कपड़े, दर्जी के सिले और घर में सिले कपड़े

जब भी हम नए वस्त्र लेना चाहते हैं तो हमारे सामने तीन विकल्प होते हैं–

(i) रेडीमेड कपड़े खरीदें

(ii) पहले कपड़ा खरीदें फिर दर्जी से सिलवाएं, या

(iii) कपड़ा खरीद कर घर में ही सिल लें

इसके लिए कोई भी बनाबनाया पैमाना नहीं है, जिसके आधार पर हम कह सकें कि ये कपड़े हमें रेडीमेड ही लेने चाहिए अथवा ये कपड़े हमें घर में ही बनाने चाहिए। हर वस्त्र के अपने कुछ फायदे और नुकसान हैं। कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि कुछ कपड़े रेडीमेड लेने में, कुछ दर्जी से बनवाने में और कुछ घर में बनाने में समझदारी होती है। आइए रेडी मेड, दर्जी के सिले और घर में सिले कपड़ों के फायदों और नुकसान के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

(i) रेडी मेड वस्त्र

फायदे

1. रेडीमेड वस्त्रों को खरीदने के तुरंत बाद पहन सकते हैं।
2. रेडीमेड कपड़े खरीदने से समय की बचत होती है।
3. कभी–कभी रेडीमेड कपड़े सस्ते पड़ते हैं, क्योंकि इनका उत्पादन थोक में होता है।
4. खरीदने से पहले इन्हें आप भली भांति देख–परख सकते हैं कि ये आपके लायक हैं या नहीं।
5. कई बार इन कपड़ों पर कुछ विशेष प्रकार की परिसज्जा की गई होती है जो सामान्य मशीन से नहीं की जा सकती, जैसे अंडर गार्मेंट्स के ऊपर जिगजैग (टेढ़ी मेढ़ी) सिलाई।
6. रेडी मेड वस्त्र प्रायः नए फैशन को ध्यान में रख कर तैयार किए गए होते हैं, क्योंकि एक उत्पादक की दूसरे के साथ बाजार में प्रतियोगिता होती है।
7. रेडी मेड कपड़ों को खरीदने से पहले नाप कर देखा जा सकता है।
8. आप इनमें से अपनी पसंद के रंग, डिजाइन, स्टाइल आदि का चुनाव कर सकते हैं।

9. इनकी कटाई, खासकर पैंटों की, बहुत ही सुंदर और अनुकूल होती है।

नुकसान

1. इनमें उपयोग होने वाले कपड़े, धागे, बटन, हुक आदि बहुत अच्छी क्वालिटी के नहीं होते।
2. चूंकि उत्पादक का उद्देश्य मुनाफा होता है, इसलिए इसमें काम करने वाले कारीगर बहुत अच्छे नहीं होते और उसके हिसाब से कीमत ज्यादा होती है।
3. रेडीमेड वस्त्रों की सीवन में ज्यादा दबाव नहीं होता, ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें बड़ा किया जा सके।
4. विभिन्न कद–काठी के लोगों में ये वस्त्र फिट नहीं आते, क्योंकि ये औसत कद–काठी के लोगों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए होते हैं।
5. इनकी सिलाई बहुत मजबूत नहीं होती। हो सकता है एक बार पहनने के बाद ही टूट जाए।
6. कोई जरूरी नहीं कि इनमें आपको अपनी पसंद के डिजाइन और रंग मिल जाएं।
7. अक्सर एक ही तरह के वस्त्र पहने हुए कई लोग दिख जाते हैं।

(ii) दर्जी के सिले कपड़े

फायदे

1. आप अपनी पसंद का डिजाइन तैयार करा सकते हैं।
2. रेडीमेड कपड़े की तरह इसका डिजाइन किसी और की तरह की हू ब हू नहीं हो सकती।
3. आप अच्छी क्वालिटी का कपड़ा खरीद सकते हैं।
4. इसमें अपनेआप कपड़े सिलने का समय बचता है।
5. इसकी फिटिंग आपके शारीरिक गठन के अनुरूप होती है।
6. आप अपनी पसंद के कपड़े से अपनी पोशाक बनवा सकते हैं।

नुकसान

1. कई बार दर्जी अपनी मर्जी से डिजाइन बदल देता है और आपको उसे स्वीकार करना पड़ता है।
2. कई बार इन वस्त्रों की फिटिंग और फिनिशिंग (परिसज्जा) संतोषजनक नहीं होती।
3. दर्जी घटिया क्वालिटी के धागे और बटन, आदि लगा सकता है।
4. दर्जी आपसे अधिक कपड़े मांग सकता है, जिसस वह महंगा पड़ता है। उसकी सिलाई का खर्च अलग से वहन करना पड़ता है।
5. आपको कम से कम दो बार दर्जी के पास जाना पड़ता है। एक बार देने और एक बार लेने के लिए। इस तरह हर बार आपको अपना समय, पैसा और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।

(iii) घर में सिले कपड़े

फायदे

1. आप अच्छी क्वालिटी के धागे, बटन आदि इस्तेमाल कर सकते हैं।
2. आप अपनी पसंद के डिजाइन तैयार कर सकते हैं।
3. आप दर्जी को दिए जाने वाले पैसे बचा सकते हैं।
4. आप दर्जी के पास आने–जाने और सिलाई में लगने वाला समय बचा सकते हैं। इस तरह समय और पैसे दोनों की बचत की जा सकती है।
5. अपने द्वारा तैयार किए गए वस्त्र में आप खुश और संतुष्ट अनुभव कर सकते हैं।
6. आप सीवन में अधिक दबाव दे सकते हैं, जिससे कि बाद में जरूरत पड़ने पर उसे बड़ा किया जा सकता है।
7. बचे हुए कपड़े से बैग या दूसरे वस्त्र बनाए जा सकते हैं।

नुकसान

1. आपके लिए सिलाई में प्रशिक्षित होना और विशेष ज्ञान होना जरूरी होता है। नहीं तो कपड़ों की घटिया सिलाई से आपकी मेहनत और पैसे दोनों की बरबादी होती है।

2. आपके पास सिलाई के लिए वक्त होना चाहिए।

3. आपके पास इंटर लॉकिंग आदि विशेष परिसज्जा के लिए खास तरह की मशीन नहीं भी हो सकती है।

4. आपके पास हमेशा अच्छा डिजाइन उपलब्ध नहीं होता।

पाठगत प्रश्न 26.4

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः

(i) घर पर सिले कपड़ों में आप अच्छे किस्म के .....और ..... इस्तेमाल कर सकते हैं।

(ii) ..... कपड़ों को खरीद कर तुरंत पहना जा सकता है।

(iii) ..... प्रायः समय पर कपड़े नहीं दे पाता।

(iv) घर में कपड़े सिलने के लिए आपके पास ..... का होना जरूरी है।

2. सही कथन के सामने सही का और गलत के सामने गलत का निशान लगाइएः

(i) रेडी मेड वस्त्र हमेशा मंहगे पड़ते हैं।

(ii) दर्जी आपकी उम्मीदों के मुताबिक कपड़े नहीं बनाता।

(iii) अगर आप अपनी पसंद के रंग, डिजाइन और स्टाइल चाहते हैं तो रेडी मेड वस्त्र खरीदने चाहिए।

(iv) अगर आप अपने कपड़े अपनेआप घर पर तैयार करते हैं तो आपको खुशी होती है।

(v) रेडीमेड वस्त्रों में आप अपनी मनचाही डिजाइन प्राप्त कर लेते हैं।

(vi) कोई भी व्यक्ति घर पर कपड़े सिल सकता है।

(vii) अगर आप कुछ विशेष परिसज्जा देना चाहते हैं तो आपको कुछ विशेष मशीनों की जरूरत पड़ती है।

26.7 घरेलू उपयोग के वस्त्रों के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

I ड्रॉइंग रूम

पाठगत प्रश्न 26.5

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. .....पर और.....में कपड़े का रंग पक्का होना चाहिए।

2. कालीन और गद्दियां आदि देखने में.....होते हैं।

3. पर्दे .....और.....रोकते हैं।

II डाइनिंग रूम और रसोई

पाठगत प्रश्न 26.6

एक शब्द दीजिए–

1. खाना बनाते समय ग हणी इसे पहनती है .....

2. टेबिल को सुरक्षा प्रदान करता है.....

3. बर्तन पोंछने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं.....

4. गरम बरतन उतारने के लिए उपयोग में ला सकते हैं.....

III. बेड रूम और बाथ रूम

पाठगत प्रश्न 26.7

1. बताइए

i) बेड कवर के दो कार्य

ii) रजाई की दो क्वालिटी

iii) बिस्तर में गर्मी देने वाली दो वस्तुएं

2. बेडशीट किस कपड़े की लेनी चाहिए?

26.8 साज-सिंगार

आइए सबसे पहले तो हम 'साज–सिंगार' शब्द के बारे में जानते हैं। साज सिंगार को व्यक्ति के साफ–सुथरे ढंग से रहने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, खासकर कपड़ों और बालों के द्वारा सुंदर दिखने के रूप में।

हम खंड 26.3 और 26.4 में कपड़ों के चुनाव और खरीदारी, उनकी उचित देखभाल और उपयोग आदि के बारे में पहले ही पढ़ चुके हैं। उससे आपको साज–सिंगार में काफी मदद मिल सकती है।

जब आप साफ सुथरे, अच्छी बनावट के उपयुक्त कपड़े पहनते हैं तो कैसा महसूस करते हैं? आप ज्यादा आत्म विश्वास से भरा हुआ अनुभव करते हैं और अपने ऊपर आपका ध्यान अधिक जाता है। क्या ऐसा नहीं है?

जब आप फैशनेबुल मगर गंदी फिटिंग के कपड़े पहनते हैं तो कैसा महसूस करते हैं? असहज महसूस करते हैं।

इससे आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं? किन कपड़ों में आप अधिक आराम, आत्म विश्वास और अच्छा महसूस करते हैं? जी, साफ–सुथरे, अच्छे सिले और आरामदेह कपड़ों में। ये मंहगे भी हो सकते हैं और सस्ते भी। यदि आप अपने कपड़ों की देखभाल करें तो उनसे आपके व्यक्तित्व और साज–सिंगार पर प्रभाव पड़ेगा।

अच्छे साज-सिंगार के कुछ सामान्य उपाय

साज–सिंगार से पहले हमें थोड़ी सी जानकारी अपने बारे में भी रखनी जरूरी होती है।

नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। याद रखिए कि ये प्रश्न आपको हर सुबह तैयार होते समय अपने आप से पूछने चाहिए।

	हमेशा	**कभी-कभी**	**कभी नहीं**
1. रात को उतारे कपड़े करीने से अल्मारी में रखे जाते हैं?			
2. क्या मैंने साफ मोजे और अंडर गार्मेंट पहने हैं?			
3. क्या मेरे कपड़ों के बटन, हुक आदि ठीक से सिले और सुरक्षित हैं?			
4. मेरी पोशाक में तुरपाई खुलने से सेफ्टी पिन तो नहीं लगी?			
5. क्या सभी सीवन, काज, बटन वगैरह ठीक–ठाक हैं?			
6. क्या मेरी शर्ट या कोट के कालर और कफ पूरी तरह साफ और हैं?			

7. क्या मेरे कपड़ों पर इस्त्री ठीक हुई है?
8. क्या मेरे जूते साफ, अच्छी तरह पॉलिश किए हुए और दुर्गंध रहित हैं?
9. मेरी जेब या पर्स में फालतू चीजें तो नहीं भरी हैं?
10. क्या मेरे बालों में कंघी ठीक से हुई है?
11. क्या मेरे नाखून कटे और साफ हैं?
12. क्या मैंने पोशाक से मेल खाती अन्य चीजें ही साथ में ली हैं?

अंकः आप हर 'हमेशा' उत्तर का 1 अंक रखिए और उन्हें जोड़ कर अपना मूल्यांकन कीजिए। यदि आपने 10–12 अंक प्राप्त किए हैं तो अति उत्तम, यदि 6–8 अंक प्राप्त किए हैं तो अच्छा, यदि 4–6 अंक प्राप्त किए हैं तो औसत और यदि 4 से कम अंक प्राप्त किए हैं तो आप का साज–सिंगार बुरा कहा जाएगा। इस प्रकार 5 से कम अंक प्राप्त करने वालों को अपने साज–सिंगार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

आप अच्छे साज–सिंगार के लिए नीचे दिए गए कुछ बिंदुओं की मदद ले सकते हैं।

ध्यान रखें:

- सही नाप और बनावट के ही कपड़े खरीदें। न तो वे बहुत चुस्त होने चाहिए और न बहुत ढीले।
- सभी फटे–टूटे काज, बटन, गोटा, किनारी आदि की तुरंत मरम्मत करें।
- सभी ढीली बटनों को तुरंत बदलें।
- दागों को तुरंत साफ करके हटा दें।
- अपने कपड़ों को ज्यादा मैला न होने दें और ज्यादा देर तक मैले न रहने दें।
- अपने कपड़ों में सेफ्टी पिन का प्रयोग न करें। इससे छेद बन सकते हैं और जंग के दाग भी लग सकते हैं।
- जूतों की नियमित सफाई और पॉलिश करें।
- चमड़े की वस्तुएं जैसे पर्स, हैंड बैग, बेल्ट आदि को समय–समय पर साफ करते रहें।
- नियमित रूप से नाखून काटें।
- बालों को अच्छी तरह धोएं और कंघा करें।

कपड़ों की अनावश्यक देखभाल से बचने के उपायः

- रसोई अथवा बगीचे में काम करते समय एप्रिन पहनें।

- घर में काम करते समय आसानी से धोए जाने वाले कपड़े पहनें।
- कालर आदि को दाग से बचाए रखने के लिए शरीर स्वच्छता बनाए रखें।
- खराब मौसम में कपड़ों को बचाने के लिए रेन कोट पहनें अथवा छाता लेकर चलें।
- कपड़े बदलने के बाद ही मेकअप लगाएं और गर्दन के ऊपर तौलिया रख लें।
- ऊनी वस्त्र बाल आकर्षित करता हैं। इसलिए कंघा करते समय ऊनी कपड़ों पर तौलिया डाल लें।
- धोने से पहले ही कपड़ों की मरम्मत कर लें नहीं तो वे और फट सकते हैं।
- इस्त्री करने से पहले दाग हटा लें, नहीं तो गर्मी पाकर वे पक्के हो सकते हैं।
- कपड़ों को अंदर रखने से पहले ठीक से हवा लगा लें नहीं तो दुर्गंध पैदा हो सकती है।
- रखने से पहले गीले कपड़ों को ठीक से सुखा लें नहीं तो नमी से फफूँदी लग सकती है
- जेबों आदि में से टॉफी के छिलके, पॉलिथीन आदि को निकाल लें नहीं तो दाग पड़ सकते हैं।

इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर आप सजे–धजे और स्मार्ट बने रह सकते हैं।

यहां नीचे कुछ नुस्खे दिए जा रहे हें, जिन्हें आप कपड़ों का चुनाव करते समय ध्यान में अवश्य रखें:

- हमेशा उम्र, लिंग, मौसम, अवसर आदि के अनुकूल ही रंगों का चुनाव करें।
- उम्र, लिंग और शारीरिक बनावट के अनुसार ही प्रिंट का चुनाव करें।
- कपड़े हमेशा सही नाप के ही चुनें।
- कपड़े बहुत पुराने फैशन के नहीं होने चाहिए।
- कपड़े और अन्य वस्तुएं सही मेल के ही पहनें।
- कपड़ों की हमेशा उचित देखभल करें।(देखें पाठ 'वस्त्रों का रखरखाव और देखभाल')

पाठगत प्रश्न 26.8

निम्नलिखित कथनों में से गलत और सही कथन छांटिए:

1. बिना कटे नाखूनों से साज–सिंगार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
2. साफ और कटे हुए बालों से व्यक्ति सजा–धजा लगता है।
3. पिन और दाग अच्छे साज–सिंगार के लक्षण नहीं हैं।

4. फटे कपड़ों को धोने के बाद सीना चाहिए।

5. अच्छे व्यक्तित्व के लिए साज–सिंगार बहुत आवश्यक होता है।

26.9 आपने क्या सीखा

आपको आसानी से याद रखने के उद्देश्य से इस पाठ के मुख्य विंदु नीचे दिए जा रहे हैं:

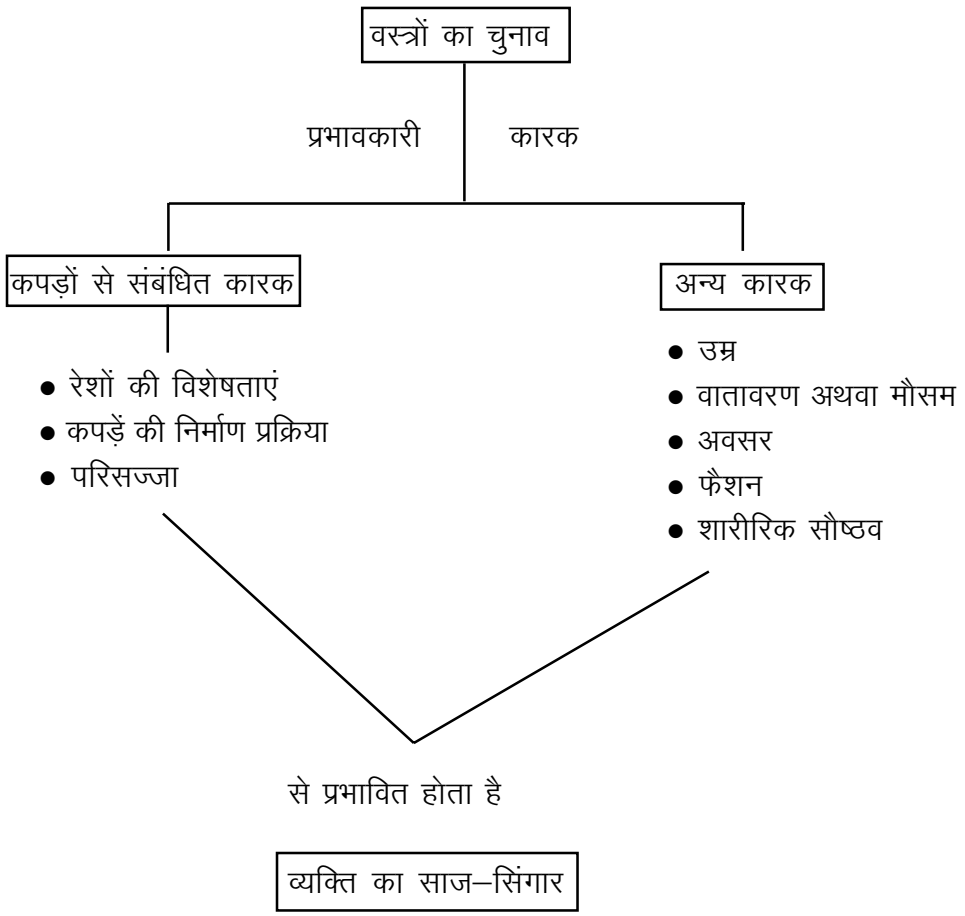

26.10 पाठांत प्रश्न

1. आप अपने भाई के लिए स्कूल यूनीफार्म बनवाना चाहते हैं। इसके लिए कपड़ा चुनते समय कौन से गुण–धर्म आप अपने दिमाग में रखेंगे?

2. आपका दोस्त लंबा और मोटा है। वह शादी पर पहनने के लिए कपड़े बनवाना चाहता है और आपकी मदद चाहता है। आप उसे कपड़े का चुनाव करने के लिए कौन–कौन सी बातों को ध्यान में रखेंगे?

3. आपकी माता जी दिन भर घर में रहती हैं। उन्हें कैसी साडी पहननी चाहिए?

4. अपका 10 साल का भाई खेलने जाना चाहता है। आप उसे कैसे कपड़े पहनने को देंगे? क्यों?
5. घरेलू उपयोग के कपड़ों के चुनाव में ध्यान रखी जाने वाली बातों की सूची बनाएं।
6. अच्छे साज–सिंगार के पांच अलग–अलग विंदु बताइए।

26.11 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

26.1 1. (i) (a), (ii) (b), (iii) (d), (iv) (b), (v) (a)

2. i. सूती ii. नायलॉन iii. ऊन iv. सिंथेटिक
v. ऊनी

26.2 1. नि–(i), (iii), (v), (vi) (vii)

(i) परिसज्जा

(ii) वाटर प्रूफिंग

(iii) धोने, सिकुड़न नियंत्रण

(iv) मर्सरीकरण

(v) घटिया, परिसज्जा

बु– (ii), (iv), (viii)

26.3 1. (a) (iii), (b) (iv), (c) (vii), (d) (ii), (e) (i), (f) (viii), (g) (v), (h) (vi)

2. सही– (ii), (iv), (v), (vi), (ix),

गलत– (i), (iii), (vi), (vii), (viii)

26.4 1. i) कपड़ा, बांधनी ii)) रेडी मेड ग) दर्जी समय

2. सही – (ii), (iv) (viii),

गलत – (i), (iii) (vi),

26.5 1. धुलाई, धूप

2. आरामदेह

3. धूल, धूप

26.6 1. एप्रन 2. मेजपोश 3. झाड़न 4. पॉट होल्डर

26.7 1. (i) सुरक्षा, सुन्दरता (ii) नर्म, गर्म (iii) रजाई, कंबल

2. सूती

26.8 सही–(2), (3), (5)

गलत–(1), (4),